पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने रक्षाबन्धन के अवसर पर प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों को निःशुल्क बस यात्रा का उपहार दिया

आगामी 27 अगस्त की रात से 28 अगस्त की रात तक उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिला यात्री एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी

महिला सुरक्षा के लिए एण्टी रोमियो स्क्वाड सक्रिय रहें और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था बेहतर रखी जाए

लो–लैण्ड क्षेत्रों को चिन्हित कर जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं

जिन नालों में सिल्ट, कूड़ा या किसी अन्य कारण से पानी की निकासी बाधित, उनकी तत्काल सफाई कराई जाए, नालों पर जहां भी अतिक्रमण है, उसे चिन्हित कर तत्काल हटाया जाए

सभी जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें, जनपदों के कण्ट्रोल रूम लगातार सक्रिय रहें

जहां नदी की धारा आबादी की ओर बढ़ रही या उसका रुख बदल रहा, वहां समय रहते ड्रेजिंग कराई जाए

बाढ़ में जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए, उन्हें भूमि का पट्टा उपलब्ध कराते हुए मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाए

गलत और भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए

वर्तमान में चीनी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, यह लगभग 06 माह की आवश्यकता के अनुरूप

लखनऊ : 22 अगस्त, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने रक्षाबन्धन के अवसर पर प्रदेश की माताओं, बेटियों और बहनों को निःशुल्क बस यात्रा का उपहार दिया है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगामी 27 अगस्त की रात से 28 अगस्त की रात तक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिला यात्री एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि रक्षाबन्धन पर बहनें सुरक्षित और आसानी से अपने घर पहुंच सकें, इसके लिए परिवहन, पुलिस और प्रशासन मिलकर पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करें। महिला सुरक्षा के लिए एण्टी रोमियो स्क्वाड सक्रिय रहें और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था बेहतर रखी जाए।

मुख्यमंत्री जी आज अपने सरकारी आवास पर शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों एवं फील्ड में तैनात प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर रहे थे। बैठक में उन्होंने प्रदेश में जलभराव, बाढ़ की स्थिति, रक्षाबन्धन पर महिला यात्रियों के लिए परिवहन

व्यवस्था, चीनी की उपलब्धता, आगामी गन्ना पेराई सत्र तथा विद्यालयों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को आमजन की सुविधाओं और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने रक्षाबन्धन के दृष्टिगत बस चालकों की जांच और निगरानी के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे का सेवन करने वाले किसी भी चालक को बस चलाने की अनुमति न दी जाए। निजी बसों के चालकों का सत्यापन कराया जाए। ऑटो और टैक्सी चालकों का भी सत्यापन सुनिश्चित करते हुए महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं। परिवहन और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से यह सुनिश्चित करें कि रक्षाबन्धन पर यात्रियों को सुरक्षित और सुगम परिवहन मिल सके।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में प्रदेश के विभिन्न मण्डलों और जनपदों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, मेरठ, सहारनपुर और गाजियाबाद के मण्डलायुक्तों तथा नोएडा प्राधिकरण से जलभराव वाले क्षेत्रों और उसके कारणों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कहीं भी अनावश्यक जलभराव नहीं होना चाहिए। लो–लैण्ड क्षेत्रों को चिन्हित कर जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। जिन नालों में सिल्ट, कूड़ा या किसी अन्य कारण से पानी की निकासी बाधित है, उनकी तत्काल सफाई कराई जाए।

मुख्यमंत्री जी ने वरिष्ठ अधिकारियों को स्वयं फील्ड में जाकर स्थिति देखने और आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध को प्रभावी ढंग से लागू करने और जहां इसका उत्पादन हो रहा है, वहां छापेमारी कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सहारनपुर स्थित माँ शाकुम्भरी राज्य विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव के स्थायी समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने को कहा। प्रमुख सचिव नगर विकास को मुख्यालय स्तर से प्रदेश के सभी 762 नगर निकायों की 24 घण्टे निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने सभी महापौरों, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अध्यक्षों को स्थानीय पार्षदों के साथ फील्ड में जाकर जलभराव और सफाई व्यवस्था देखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि नालों पर जहां भी अतिक्रमण है, उसे चिन्हित कर तत्काल हटाया जाए। नगर निकायों में बाहरी और अनधिकृत तत्वों के प्रवेश पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। पटरी व्यवसायियों के लिए भी व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिक सुविधाएं प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के 19 बाढ़ प्रभावित जनपदों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बलिया, गोण्डा, बहराइच, बाराबंकी, फर्रुखाबाद और लखीमपुर खीरी के जिलाधिकारियों से बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें और जनपदों के कण्ट्रोल रूम लगातार सक्रिय रहें। मुख्यालय स्तर से भी सभी जनपदों की 24 घण्टे निगरानी की जाए। बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार तक राहत पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पका हुआ भोजन और सूखा खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राहत सामग्री का वितरण समय से और व्यवस्थित तरीके से हो। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्रभारी मंत्री अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर राहत और बचाव कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें।

मुख्यमंत्री जी ने नदी कटान वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां नदी की धारा आबादी की ओर बढ़ रही हो या उसका रुख बदल रहा हो, वहां समय रहते ड्रेजिंग कराई जाए। संवेदनशील स्थानों को पहले से चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि आबादी और कृषि भूमि को कटान से बचाया जा सके। बाढ़ में जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भूमि का पट्टा उपलब्ध कराते हुए मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाए। बहराइच में मानव–वन्यजीव संघर्ष की स्थिति को देखते हुए पेट्रोलिंग बढ़ाने और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। सीमावर्ती जनपदों में तस्करी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने तथा इसमें शामिल लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेन्स की नीति के तहत कार्यवाही करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री जी ने कतिपय जनपदों में स्कूल–कॉलेजों को लेकर भ्रामक वीडियो प्रसारित किए जाने की जानकारी पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि गलत और भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री जी ने मिड–डे मील, बालक–बालिकाओं के लिए शौचालय और कक्षाओं की स्थिति की स्थलीय जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अच्छी सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने जिलाधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अच्छी सुविधाएं मिलें और पठन–पाठन का बेहतर वातावरण बना रहे। बाल वाटिकाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में चीनी की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्तमान में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और यह लगभग 06 माह की आवश्यकता के अनुरूप है। उन्होंने

जिलाधिकारियों को अपने–अपने जनपदों में चीनी की उपलब्धता और मूल्य पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी और कृत्रिम अभाव पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आमजन को चीनी के स्टॉक और उपलब्धता की सही जानकारी दी जाए, ताकि किसी तरह की अनावश्यक चिन्ता या अफवाह की स्थिति न बने। जिलाधिकारी सम्बन्धित अधिकारियों और व्यापारियों के साथ बैठक कर स्थानीय स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित करें। आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलों को चलाने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक किसानों को 3.25 लाख करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने किसानों से जुड़ी भुगतान व्यवस्था को प्राथमिकता के साथ बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह तथा नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जनपदों के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़े।

————————

PN-CM-VC-Law & Order-Festivals-22 August, 2026